NIMBUS
ACADEMY FOR IAS
तमसो मा ज्योतिर्गमय ||

CURRENT AFFAIRS

17 अगस्त, 2024

1. 2024-25 के लिए छह नई संसदीय समितियां: लोकसभा अध्यक्ष ने गठित कीं -

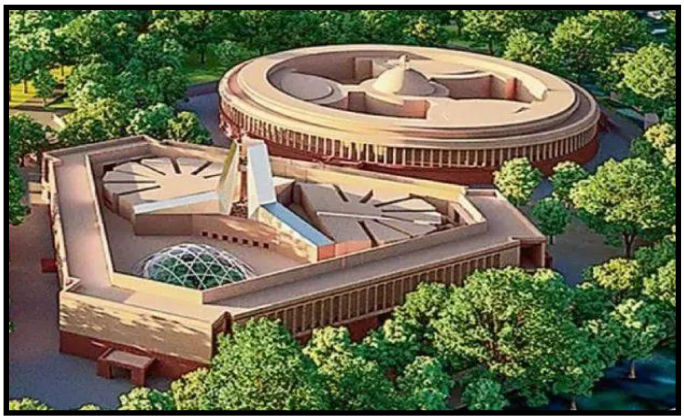

- लोकसभा अध्यक्ष ने 17 अगस्त को छह नई संसदीय समितियों के घटकों के नाम घोषित किए, जिनमें लोक लेखा समिति (पीएसी) भी शामिल है, जो सरकारी व्यय की जांच करती है।
- मध्य प्रदेश के सतना से भाजपा सांसद गणेश सिंह को अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

2024-25 के लिए छह नई संसदीय समितियाँ

A. लोक लेखा समिति
B. सार्वजनिक उपक्रम समिति
C. अनुमान समिति
D. अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति
E. अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण समिति
F. लोक लेखा समिति

- समिति की स्थापना पहली बार 2012 में की गई थी और इसके कार्यों में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्टों पर विचार करना और ओबीसी के लिए कल्याणकारी उपायों की समीक्षा करना शामिल है।
- मंडला निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा लोकसभा सांसद डॉ. फग्गन सिंह कुलस्ते को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।
- इसी प्रकार, ओडिशा के केंद्रपाड़ा से भाजपा के लोकसभा सांसद बैजयंत पांडा को सार्वजनिक उपक्रम संबंधी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

2. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार टीम मानवाधिकार उल्लंघन की जांच के लिए बांग्लादेश का दौरा करेगी -

- संयुक्त राष्ट्र की एक मानवाधिकार टीम बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ चर्चा करने के लिए अगले सप्ताह ढाका का दौरा करेगी।बांग्लादेश में हाल की अशांति के दौरान मानवाधिकार उल्लंघन की जांच।
- संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त वोल्कर तुर्कबांग्लादेश

के अंतरिम नेता मुहम्मद यूनुस के साथ संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय द्वारा अंतरिम सरकार और परिवर्तन के लिए प्रदान किए जा सकने वाले व्यापक सहयोग पर चर्चा की गई, जिसमें जवाबदेही के मुद्दे भी शामिल थे।

- हक ने कहा कि बांग्लादेश का दौरा करने वाली टीम अंतरिम सरकार के साथ सहायता के क्षेत्रों और हालिया हिंसा और अशांति के संदर्भ में मानवाधिकार उल्लंघन की जांच के तौर-तरीकों पर चर्चा करेगी।
- तुर्क ने जिनेवा में जारी एक बयान में कहा कि सभी मानवाधिकार उल्लंघनों और दुर्व्यवहारों की व्यापक, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच एक महत्वपूर्ण पहला कदम होगा।

3. इसरो ने लॉन्च किया SSLV-D3-EOS-08 -

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने SSLV-D3-EOS-08 मिशन लॉन्च किया। इस मिशन ने पृथ्वी का निरीक्षण करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक छोटा उपग्रह लॉन्च किया।
- यह पहले के SSLV-D2-EOS-07 मिशन की सफलता के बाद है, जिसे फरवरी 2023 में लॉन्च किया गया था।
- एसएसएलवी-डी3-ईओएस-08 इसरो के लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) श्रृंखला की तीसरी उड़ान है।इस मिशन के साथ ही इस नए रॉकेट का विकास चरण पूरा हो गया है। इससे पहले 2024 में इसरो ने दो अन्य मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च किए थे: जनवरी में PSLV-C58/XpoSat और फरवरी में GSLV-F14/INSAT-3DS।

4. भारत ने अपनी रामसर सूची में तीन नई आर्द्रभूमियां जोड़ीं -

- भारत ने अपने रामसर स्थलों की सूची में तीन नए आर्द्रभूमियों को शामिल किया, जिससे इनकी संख्या 85 हो गई। ये नए स्थल हैं - तमिलनाडु में नंजरायण पक्षी अभयारण्य और काझुवेली पक्षी अभयारण्य, तथा मध्य प्रदेश में तवा जलाशय।यह महत्वपूर्ण प्राकृतिक क्षेत्रों के संरक्षण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- रामसर स्थल विशेष आर्द्रभूमि हैं जिन्हें विशेष रूप से जलीय पक्षियों के लिए उनके महत्व के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है।इन स्थलों को रामसर कन्वेंशन नामक एक समझौते के तहत संरक्षित किया गया है, जिस पर 1971 में ईरान के रामसर में हस्ताक्षर किए गए थे। इसका लक्ष्य उन आर्द्रभूमियों को संरक्षित करना है जो पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- भारत 1981 में रामसर कन्वेंशन में शामिल हुआ और तब से इसमें और भी साइट जोड़ रहा है। 2024 तक भारत के रामसर साइट का क्षेत्रफल करीब 1,358,068 हेक्टेयर होगा।

5. दुनिया का सबसे पुराना कैलेंडर खोजा गया -

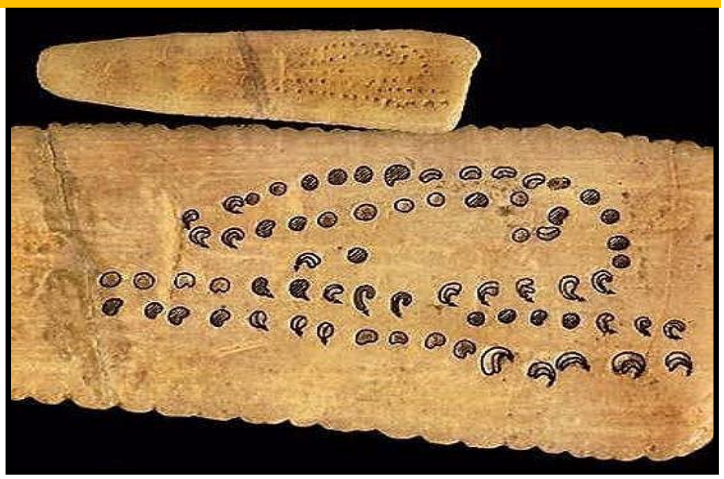

- दक्षिणी तुर्की के गोबेकली टेपे में पुरातत्वविदों ने एक बड़े पत्थर के स्तंभ पर उत्कीर्ण एक वस्तु खोजी है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह पृथ्वी का सबसे पुराना सूर्य-चंद्र कैलेंडर है।24 जुलाई को एक अध्ययन में प्रस्तुत की गई यह खोज, प्रारंभिक समय-निर्धारण विधियों के विकास के संबंध में नई अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।
- अनुमानतः यह स्तंभ लगभग 13,000 वर्ष पुराना है, तथा इस पर 365 V आकार के प्रतीक अंकित हैं, जिनमें से प्रत्येक संभवतः एक दिन का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह डिज़ाइन सौर और चंद्र चक्र दोनों की उन्नत समझ को दर्शाता है।इस कैलेंडर में 12 चंद्र मास तथा 11 अतिरिक्त दिन शामिल हैं, जो यह दर्शाता है कि प्राचीन समाजों में समय की गहन समझ थी।